आलू छीलने की मशीन

उददेश्यः– आलू छीलने की मशीन में ड्रम के अन्दर एमरी पत्थर का उपयोग किया जाता है। आलू को जब ड्रम के अन्दर घुमाया जाता है उस समय आलू ड्रम के अन्दर की दीवार से टकराकर जो कि एमरी पत्थर की बनी होती है इस कारण आलू का छीलका निकलने लगता है। आलू के छीलके को अलग करने के लिए पानी का प्रयोग किया जाता है जिस वजह से स्वच्छ एवं छिलका उतरा हुआ आलू प्राप्त होता है जिसे आलू के चिप्स तथा अन्य उपयोगी कार्य हेतु प्रयोग किया जा सकता है।

प्रदर्शन परिणाम :

120–160 किग्रा/घटां (बड़े आकार का आलू)

110 किग्रा/घटां (मध्यम आकार का आलू)

35–37 किग्रा/घंटा (छोटे आकार का आलू)

औसत क्षमताः *70–80 किग्रा/घंटा*

मैन्युअल रूप से संचालित

कुशल पुरूष/ महिला की आवश्यकता है लाभः छीलने में समय की बचत। छीलने में होन वाले नुकसान में कमी। आलू की थोक में छीलन

व्यावसायीकरण स्त्रोतः पोस्ट हारवेस्ट प्रोसेस एंव फूड इंजीनियरिंग, कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, पंतनगर, जिला– यू.एस. नगर, पिन.263145, उत्तराखंड।

मिनी दाल मिल

उददेश्यः– इस मिनी दाल मिल से साबुत अरहर से दाल बनायी जाती है। स्वच्छ एंव वर्गीकरत, साबुत अरहर को 10% सोडियम बॉयो कार्बोनेट विलयन के साथ पूर्व उपचारित किया जाता है। 100 किग्रा. अरहर की दाल के लिए 5 लीटर विलयन बनाया जाता है। पूर्व उपचारित करने के पश्चात्, साबुत अरहर को ढक कर 5 घंटे तक रखा जाता है जिससे उसमें नमी सम्यरूप से आ जाती है इसके पश्चात् 10 प्रतिशत नमी तक सुखाया जाता है। सूखे एवं पूर्व उपचारित साबुत अरहर को होपर के द्वारा मिल तक पहुचाया जाता है जहॉ इसके दो टुकडे कर के दाल बनायी जाती है।

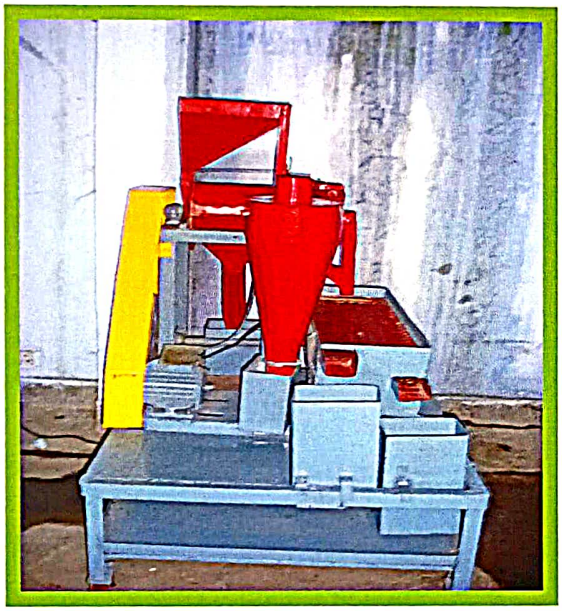

मुख्य विशषतायेंः *पूर्णरूप से साफ एंव वर्गीकरत दाल, मिनी दाल मिल 2 एच.पी. मोटर के साथ, होपर, एमरी रोल,दाल को अलग करने वाला, तोडने वाला, छिलका उतारने वाला, आदि*

प्रदर्शन परिणाम :

70–80 किग्रा दाल प्रति घण्टा

1 एच.पी. मोटर

कुशल पुरूष/ महिला की आव यकता है

व्यावसायीकरण स्त्रोतः *पोस्ट हारवेस्ट प्रोसेस एंव फूड इंजीनियरिंग, कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, पंतनगर, जिला– यू.एस. नगर, पिन.263145, उत्तराखंड।*